अयोध्या की अर्थव्यवस्था में भारी उछाल

आईआईएम लखनऊ ने किया अध्ययन

1. पहले सालाना 1.7 लाख श्रद्धालु, अब पांच से छह करोड़ का अनुमान
2. पहले छह माह में 11 करोड़ आगंतुक अयोध्या आए
3. पर्यटन कर राजस्व 20,000-25,000 करोड़ रुपये अनुमानित
4. 150 से अधिक नए होटल और होमस्टे शहर में बने
5. 6,000 नए एमएसएमई
7. 1.2 लाख रोजगार सृजन की संभावना बनी
8. दुकानदारों की दैनिक आय 2,500 रुपये तक
9. संपत्ति की कीमतों में10 गुना वृद्धि

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय बदलाव दर्ज किया गया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ की रिपोर्ट 'इकॉनमिक रेनेसांस ऑफ अयोध्या' में बताया गया है कि मंदिर उद्घाटन के बाद शहर में पर्यटन, निवेश, कारोबार और रोजगार के अवसरों में व्यापक वृद्धि हुई है। अध्ययन के अनुसार, मंदिर निर्माण से पहले अयोध्या में सालाना करीब 1.7 लाख श्रद्धालु आते थे।

स्थानीय दुकानदारों की औसत कमाई 400 से 500 रुपये प्रतिदिन थी। सीमित होटल, कमजोर कनेक्टिविटी और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आर्थिक गतिविधियां सीमित दायरे में थीं। जनवरी 2024 में प्राण प्रतिष्ठा के बाद तस्वीर तेजी से बदली। पहले छह महीनों में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। अब हर साल पांच से छह करोड़ आगंतुकों के आने का अनुमान है। पर्यटन से कर राजस्व 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिदिन दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन से आतिथ्य और सेवा क्षेत्र को नई गति मिली है। 150 से अधिक नए होटल और होमस्टे शुरू हुए हैं। ताज, मैरियट और अन्य होटल समूहों ने विस्तार योजनाएं घोषित की हैं। ऑनलाइन बुकिंग में चार गुना तक वृद्धि दर्ज की गई है। करीब 6,000 एमएसएमई स्थापित हुए हैं। अगले चार-पांच वर्षों में 1.2 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

इसके अलावा छोटे दुकानदारों की आय बढ़कर 2,500 रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। मंदिर क्षेत्र के आसपास संपत्ति की कीमतों में पांच से दस गुना तक वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुविचारित नीति और निवेश के साथ धार्मिक पर्यटन क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। अयोध्या इसका ताजा उदाहरण बनकर उभरा है।